

संख्या १०५४७। अर्थात् की गवर्नी अज्ञाप्य। पत्रावली वास्ते
संख्या २१/६/२१ मो पेश हे

रा. ६
२२

प्राची व प्राची अधिवक्ता उपस्थित
नहीं आया प्राची व प्राची अधिवक्ता
को रुक-र कर ३ बार आवाज लगावाई
परि कोई उपस्थित नहीं आया। प्राची
या प्राचना पत्र अन्तगत धारा २१२ RTA
इसी स्तर पर खारिज किया जाता
है। पत्रावली निगति होकर गवर्नर से
कम होकर दाखिल दफ्तर हो।



उपसचिव अविद्ये (राजस्व)
श्री कटणपुर